आईआईएम रोजगार प्रदाताओं का निर्माण करने वाली संस्था साबित होगी

- **राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने व्यक्त किया विश्वास**
- **नागपुर आईआईएम के नये कैम्पस का उत्साहपूर्ण उद्घाटन**

नागपुर। नवाचार और उद्यमिता दोनों में आपके जीवन को आरामदायक बनाने के साथ-साथ रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। इस पृष्ठभूमि में, नागपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) विद्यार्थियों में रोजगार प्रदाता बनने की क्षमता विकसित करने वाली योग्य संस्था साबित होगी। ऐसा विश्वास राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने व्यक्त किया।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मिहान परिसर में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय भू परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, पालक मंत्री डॉ. नितिन राउत, विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस, सांसद डॉ. विकास महात्मे, कृपाल तुमाने के साथ नागपुर आईआईएम बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन सी. पी. गुरनानी और निदेशक भीमराय मैत्री इस समय मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न स्टार्ट-अप ने ऐसे समय में नया इतिहास बनाया है। जब अभिनव अनुसंधान और उद्यमिता गति प्राप्त कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न नए क्षेत्र व्यावसायिकता में सबसे आगे आ रहे हैं और कई नए रास्ते खुल गए हैं। स्टार्ट-अप और ऐप-आधारित उद्योग सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। अध्यापन, स्वास्थ्य जैसे कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ये नई पहल शुरू हो गई है। चूंकि यह रोजगार सृजन के साथ-साथ राजस्व उत्पन्न करेगा यह बदलाव निश्चित रूप से देश के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

नागपुर आईआईएम के अप-टू-डेट और बहु-विशेषताओं वाले परिसर की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि स्थानीय संस्कृति और जगह का इतिहास पूरी तरह से वास्तुकला में परिलक्षित होता है और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। महाराष्ट्र की भूमि हमेशा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही है। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने इस भूमि में सामाजिक क्रांति के बीज बोए थे। ऐसी भूमि में आईआईएम न केवल सीखने का केंद्र बल्कि जीवनदायी अनुभव का केंद्र भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए ये पहल महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि नागपुर आईआईएम परिसर नई दुनिया में अवसर प्रदान करने के लिए युवा मस्तिष्क को सही तरीके से पोषित करेगा।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आईएएम केम्पस के माध्यम से शहर में एक विश्व स्तरीय वास्तुकला का निर्माण किया गया है। इस पर उन्होंने गर्व से कहा कि नागपुर एक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। गडकरी ने कहा कि नागपुर मेडिकल के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित हो रहा है। विदर्भ और के समृद्ध वन खनिज संसाधनों पर आधारित उद्योगों के लिए अपार संभावनाएं हैं। यदि संयुक्त रूप से उद्योगों के विकास के लिए गतिविधियों को लागू किया गया तो इस क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वोच्च संस्था के रूप में इस संस्थान की प्रतिष्ठा निश्चित रूप से बढ़ेगी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि संस्थान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपेक्षित ज्ञान, अर्थ और नीति द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। यह गड़चिरौली जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में स्कूलों और कॉलेजों के विकास का माध्यम भी होना चाहिए। उन्होंने आईआईएम से पहल करने और क्षेत्र में छोटे व्यवसायों के साथ-साथ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए एक व्यापार सुविधा मॉडल बनाने की अपील की।

उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नागपुर आईआईएम बुद्धिमान छात्रों और साहसी उद्यमियों का उत्पादन करेगा। देसाई ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने विदर्भ के विकास का सपना देखा था। आज उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। संगठन ने कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ भागीदारी की है और विभिन्न देशों के संगठन संगठन में शामिल हुए हैं। इस संस्थान के माध्यम से कई युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण मिल रहा है। चूंकि यह संस्थान नागपुर सहित राज्य के लिए महत्वपूर्ण है, इस संस्थान के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा।

इस कार्य को रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिपक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व स्तरीय कुशल जनशक्ति मिलनी चाहिए। इसके लिए मैनेजमेंट कोर्स का विस्तार किया जाना शुरू हो गया है।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक भारतीय प्रबंधन संस्थान बोर्ड के अध्यक्ष सी.पी. गुरनानी ने किया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से हम एक ऐसी पीढ़ी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अनुसंधान के प्रति जुनूनी हो और हमें विश्व स्तरीय परिसरों का निर्माण करने में सक्षम होने की खुशी है।

इससे पूर्व राष्ट्रपति ने भारतीय प्रबंधन संस्थान के एक सुसज्जित भवन की आधारशिला का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने 132 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे क्षेत्र का निरीक्षण किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रपति का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। संचालन समिति के अध्यक्ष सी. पी. गुरनानी और निदेशक डॉ. भीमराय मैत्री ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया।